*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

स्वर्णिमा

हिंदी पाठ्य-पुस्तक

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

3

YBPL

स्वर्णिमा कक्षा-3

अध्याय-1

नन्हे-नन्हे बच्चे

अभ्यासः (पेज 7)

1. (क) बच्चे जननी (भारत माता) की जय बोलने को कह रहे हैं।
   (ख) हिम्मत से नाता जोड़कर बच्चे हिमगिरि (पर्वत) पर चढ़ जाएँगे और वहाँ भारत की ध्वजा उड़ाएँगे।
   (ग) इस कविता के कवि सोहनलाल द्विवेदी जी हैं।

लिखिए–

2. (क) बच्चे छोटे हैं पर वे अपनी धुन के पक्के हैं। वे बहुत हिम्मत वाले हैं तथा डरकर भागने वालों में से नहीं हैं।
   (ख) जननी की जय बोलने से अर्थ है कि भारत माता की जय-जयकार करते हुए बच्चे आगे बढ़ते जाएँगे।
   (ग) बच्चे हिम्मत से नाता जोड़कर कठिन से कठिन काम आसानी से कर सकते हैं।
   (घ) हमें झंडे का सम्मान इसलिए करना चाहिए क्योंकि यह हमारे देश का गर्व तथा इसकी पहचान है।
   (ङ) इस कविता से हमें देश से प्रेम करने की तथा देश का मस्तक गर्व से ऊपर उठाने की प्रेरणा मिलती है।

3. (क) भारत की ✓ (ख) हिम्मत से ✓ (ग) हिमगिरि ✓

4. (क) जननी की जय-जय गाएँगे, भारत की ध्वजा उड़ाएँगे।
   (ख) अपना पथ कभी न छोड़ेंगे, अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे।

भाज़ा बोध–

1. (क) ध्वजा - झंडा, पताका (ख) जननी - माँ, माता, मैया (ग) गिरि - पर्वत, पहाड़
2. (क) जय - पराजय (ख) भय - निर्भय (ग) जननी - जनक
3. (क) बच्चे - बच्चे बहुत नटखट होते हैं।
   (ख) उम्र - कुछ बच्चे छोटी उम्र में बड़े-बड़े काम कर जाते हैं।
   (ग) धुन – गीत की धुन सुनकर सभी नाचने लगे।
   (घ) ध्वजा – हम अपनी ध्वजा का सम्मान करते हैं।
   (ङ) हिम्मत – मुसीबत का सामना हिम्मत से करना चाहिए।

करके सीखिए–

* बच्चे यह कार्य स्वयं करेंगे।

अध्याय-2

तोते का जन्मदिन

अभ्यासः (पेज 13)

1. (क) फलों के वृक्ष बगीचे में थे।
   (ख) तोता और तोती अपने कोटर में रहते थे।
   (ग) तोते का जन्मदिन मनाया जा रहा था।
   (घ) तोता कौए को बुलाना नहीं चाहता था।

लिखिए–

2. (क) वृक्षों पर आम, अमरूद, अनार और बेर आदि के फल लगे थे।
   (ख) तोते ने जन्मदिन पर कोयल, मोर, बुलबुल, मैना और गौरैया को बुलाया था।
   (ग) तोता कौए को इसलिए नहीं बुलाना चाहता था क्योंकि वह किसी की मदद नहीं करता था, सबको झपट्टे मारता था और अपनी कर्कश आवाज से सबको डराता था।
   (घ) कौए ने काँव-काँव की आवाज़ लगाकर आने वाले मेहमानों की सूचना देकर मदद की।

3. (क) समझदार ✓ (ख) बसंत ✓ (ग) कौआ ✓ (घ) सफ़ाई की ✓

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓
(ङ) ✗

5. (क) कर्कश - कड़वी (ख) सूचना - खबर (ग) इकट्ठा - एकत्र
(घ) मौज - आनंद (ङ) बुलावा - निमंत्रण

भाज़ा-बोध–

1. (क) कोटर - ✓ (ख) खीर - ✓ (ग) ढोलक - ✓ (घ) मोर - ✓

2. (क) कौए (ख) डालें/डालियाँ (ग) बगीचे (घ) तोते
(ङ) घोंसले

3. (क) बगीचा – बाग, उपवन (ख) पेड़ – वृक्ष, तरु
(ग) सुबह – सवेरा, प्रातःकाल, भोर (घ) फूल – पुज़्प, सुमन, कुसुम
(ङ) मित्र – दोस्त, सखा

करके सीखिए–

* बच्चे इसका उत्तर स्वयं लिखेंगे।

उदाहरण बिंदु

(क) ये मेरे सबसे प्रिय पड़ोसी हैं।
(ख) ये सभी की मदद करते हैं।
(ग) हम इनके साथ मिलकर सभी त्योहार खुशी-खुशी मनाते हैं।
(घ) ये कभी किसी से झगड़ा नहीं करते हैं।
(ङ) होली के दिन ये अपने घर में दावत रखते हैं तथा सभी को दावत में आने का निमंत्रण देते हैं।

अध्याय-3

चिड़िया और बंदर

अभ्यासः (पेज 18)

1. (क) चिड़िया पेड़ पर रहती है।
(ख) बंदर झुंड में रहते हैं। उनका कोई पक्का घर नहीं होता। वे झुंड के साथ चलते रहते हैं।
(ग) नहीं, हमें दूसरों के काम में दखल नहीं देना चाहिए।

लिखिए–

2. (क) बंदर ने जुगनू को अंगारा समझकर पकड़ लिया था तथा उससे आग जलाकर वह सरदी दूर भगाना चाहता था।
(ख) बंदर की हरकतों को चिड़िया देख रही थी।
(ग) चिड़िया ने बंदरों को यह समझाने का प्रयास किया कि उन्होंने अंगार नहीं जुगनू पकड़ा है, इससे आग नहीं जलेगी।
(घ) एक बंदर ने चिड़िया को पकड़कर पूरी ताकत से जमीन पर पटक दिया।
(ङ) दूसरों को बिना माँगे सलाह देना बुद्धिमत्ता नहीं, बल्कि मूर्खता है।

3. (क) सरदी ✓ (ख) जानवर ✓ (ग) जुगनू ✓ (घ) चिड़िया ✓

4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓
(ङ) ✓

5. (*i*) उन्होंने जुगनू को सूखी (ङ) पत्तियों के ढ़ेर पर रख दिया।
(*ii*) ज़मीन पर गिरते ही (घ) चिड़िया की गरदन टूट गई।
(*iii*) इससे आग जलाकर हम (क) सरदी दूर करेंगे।
(*iv*) ऐसे में बंदरों का एक झुंड (ख) जंगल से गुज़रा।
(*v*) यह छोटा-सा चमकने (ग) वाला एक कीड़ा है।

भाज़ा-बोध–

1. (क) सरदी - ठंड, ष्टीतकाल, जाड़ा (ख) बंदर - वानर, कपि, मर्कट
   (ग) जानवर - पशु, मवेशी (घ) ज़मीन - धरती, धरा, भूमि
   (ङ) चिड़िया - पक्षी, खग, नभचर, विहग
2. (क) जानवरों (ख) घरों (ग) बंदरों (घ) चिड़ियाँ
   (ङ) रानियाँ
3. (क) सरदी – गरमी (ख) ष्टाम – सुबह (ग) मित्र – ष्टात्रु (घ) सूखी – गीली
   (ङ) रानी – राजा

करके सीखिए–

एक बार एक टोपीवाला पेड़ के नीचे लेट गया। झट से उसे नींद आ गई। उसी पेड़ पर कुछ बंदर बैठे थे। उन्होंने टोपीवाले की सारी टोपियाँ निकालीं तथा उन्हें पहनकर इधर-उधर घूमने लगे। टोपीवाले की नींद खुली तो बंदरों को टोपी पहने देखा। उसने झट से अपने सिर की टोपी को उतारकर अपने थैले में डाला। बंदर भी उसकी नकल करने लगे। इस तरह टोपीवाले की सारी टोपियाँ उसके थैले में वापास आ गईं।

अध्याय-4

आगरा की सैर

अभ्यास: (पेज 24)

1. (क) सभी लोग आगरा घूमने जा रहे थे।
   (ख) ताजमहल आगरा में है।
   (ग) ताजमहल का निर्माण ष्टाहजहाँ ने करवाया था।

लिखिए–

2. (क) रेल के डिब्बे में बैठे कुछ यात्री अखबार तो कुछ यात्री पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ रहे थे।
   (ख) ताजमहल का निर्माण मुगल सम्राट ष्टाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज़ की याद में करवाया था।
   (ग) आगरा का ताजमहल, ष्टाहजहाँ पार्क, मनकामेश्वर मंदिर, दयालबाग और पेठा आदि बहुत प्रसिद्ध हैं।
   (घ) बुलंद दरवाजे का निर्माण अकबर ने दक्षिण भारत को जीतने के बाद करवाया था।
   (ङ) हम नियमित दिनचर्या से ऊब जाते हैं इसलिए जीवन में परिवर्तन के लिए यात्रा आवश्यक है।
3. (क) 45 मीटर ✓ (ख) पेठा ✓ (ग) जूते ✓ (घ) ष्टांकर ✓
4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗
   (ङ) ✓
5. (*i*) पापा ने रेलगाड़ी की टिकटें (घ) पहले से ही खरीद ली थीं।
   (*ii*) देखते-ही-देखते उसने (ङ) तेज़ रफ़्तार पकड़ ली।
   (*iii*) खिड़की से पेड़-पौधे, खेत आदि (क) सभी दौड़ते हुए मालूम पड़ रहे थे।
   (*iv*) पापा ने मेरे और अपने (ख) लिए जूते खरीदे।
   (*v*) ष्टाम होते-होते हम (ग) लोग होटल आ गए।

भाज़ा बोध–

1. (क) वस्तुएँ (ख) परिक्षाएँ (ग) गाड़ियाँ (घ) नदियाँ
   (ङ) पत्रिकाएँ
2. (क) अनियमित (ख) दिन (ग) अनावश्यक (घ) ष्टाम
   (ङ) दूर
3. (*i*) दैनिक – हर दिन होने वाला (*ii*) साप्ताहिक – सप्ताह में होने वाला
   (*iii*) त्रैमासिक – तीन महीने में होनेवाला (*iv*) अर्धवार्ज़िक – छह महीने में होनेवाला
   (*v*) वार्ज़िक – एक वर्ज़ में होनेवाला

4. (*i*) जा रहे थे (*ii*) बाँध लिया (*iii*) पहुँचा (*iv*) रवाना हुए
(*v*) बैठ गए (*vi*) चढ़ाया (*vii*) पढ़ रहे थे (*viii*) उछल पड़ा
(*ix*) ले रहे थे

करके सीखिए–

1. इस साल गरमी की छुट्टियों में मैं अपने परिवार के साथ मनाली घूमने गई थी। वहाँ बहुत ठंड थी। वहाँ का मौसम भी बहुत सुहावना था। वहाँ हम एक होटल में रुके थे तथा मैंने वहाँ तिब्बतन बाज़ार, हिडिंबा मंदिर, ग्रेट हिमालय नेशनल पार्क देखा। मैं वहाँ केवल चार दिन ही रही। वहाँ से मैंने ऊनी कुरते तथा गरम कोट, जैकेट व कुछ खिलौने खरीदे। वहाँ मैंने व मेरे परिवार ने मैगी, ऑम्लेट तथा वहाँ के खाने का खूब लुत्फ़ उठाया।

2. ताजमहल का चित्र बच्चे स्वयं चिपकाएँगे।

(उदाहरण उत्तर)

(क) ताजमहल विश्व के सात अजूबों में से एक है।

(ख) ताजमहल सफ़ेद संगमरमर से बनी बहुत सुंदर इमारत है।

(ग) इसे शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज़ की याद में बनवाया था।

(घ) यह आगरा में स्थित है तथा ताजमहल के ठीक पीछे यमुना नदी बहती है।

(ङ) कहा जाता है कि ताजमहल बनवाने के बाद शाहजहाँ ने ताजमहल बनाने वाले कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे ताकि ऐसी इमारत दोबारा न बन सके।

(च) यह बहुत सुंदर है।

(छ) हर साल दूर-दूर से लोग इसे देखने के लिए आते हैं।

(ज) यह हमारे देश का गर्व है।

अध्याय-5

तारे

अभ्यासः (पेज 29)

1. (क) प्रस्तुत कविता तारों के बारे में है।

(ख) कविता में एक बच्चा अपनी माँ से बातें कर रहा है।

(ग) सूरज के ढल जाने पर अँधियारा छा जाता है।

(घ) प्रस्तुत कविता के कवि 'हरिवंश राय बच्चन' हैं।

लिखिए–

2. (क) कविता में एक बच्चा अपनी माँ से आसमान में लाखों तारे कैसे आ जाते हैं? इस बारे में पूछ रहा है।

(ख) सूरज के छिप जाने पर तारे आसमान में जगमग करने लगते हैं।

(ग) दिन के समय धरती पर सूरज उज़ाला फैलाता है।

(घ) रात्रि में तारों के अतिरिक्त चाँद अपना प्रकाश आसमान में फैलाता है।

3. (क) रात बीतने पर सपनों की
जो सूरज चमकाता है।

(ख) आसमान में जगमग-जगमग
लाखों दीप जलाता है।

4. (*i*) धरती – पृथ्वी (*ii*) आसमान – आकाश (*iii*) अँधियारा – अँधेरा
(*iv*) दीप – दीपक (*v*) ढलना – डूब जाना

भाज़ा-बोध–

1. (क) माँ – जननी, मैया, माता (ख) सूरज – रवि, सूर्य, दिनकर
(ग) आसमान – नभ, आकाश, अंबर (घ) रात – रात्रि, रजनी, निशा
(ङ) धरती – धरा, ज़मीन, भूमि

2. (क) आसमान – ज़मीन (ख) रात – दिन
(ग) जाना – आना (घ) धरती – गगन
(ङ) ढलना – उगना / चढ़ना

3. (क) माँ – मेरी माँ मुझे बहुत प्यार करती हैं। (ख) सूरज – दिन में सूरज अपनी रोशनी फैलाता है।
(ग) आसमान – आसमान में काले बादल छाए हैं। (घ) तारे – हमें रात के समय तारे दिखते हैं।
(ङ) धरती – धरती पर तरह-तरह के जीव रहते हैं।
* विद्यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

4. (क) दीया – दीये (ख) किरण – किरणें (ग) तारा – तारे
(घ) रात – रातें (ङ) बच्चा – बच्चे

करके सीखिए–

(उदाहरण उत्तर)

1. तारे केवल रात में ही नहीं दिन में भी होते हैं। लेकिन सूर्य के प्रकाश के कारण ये दिखाई नहीं देते।
2. तारे हमारी पृथ्वी से लाखों-करोड़ों किलोमीटर दूर हैं इसलिए ये हमें छोटे दिखाई देते हैं। इन्हें हम दूरबीन की मदद से आसानी से देख सकते हैं।
3. तारे चमकीले गरम गैसीय पिंड होते हैं। सूर्य भी एक तारा है।
4. इन पिंडो में हाइड्रोजन व हीलियम गैस बहुत अधिक मात्रा में पाई जाती है।
5. तारों की गिनती करना असंभव है।
6. हमारी आकाशगंगा में प्रत्येक 18 दिन में एक नया तारा बनता है।
7. कभी-कभी आकाश में हमें तारे विभिन्न आकृतियाँ बनाते हुए दिखाई देते हैं। जैसे धनुज़-बाण, घोड़ा आदि।

अध्याय-6

मौसम

अभ्यास: (पेज 34)

1. (क) मई व जून के महीने में कड़ाके की गरमी पड़ती है।
(ख) सरदी के मौसम में लोग गरम व ऊनी कपड़े पहनते हैं।
(ग) बरसात के मौसम में बाढ़ आती है।

लिखिए–

2. (क) गरमी के मौसम में लोग सूती व हल्के कपड़े पहनते हैं।
(ख) हमारे देश में मौसम सरदी, गरमी और बरसात के रूप में बदलते रहते हैं।
(ग) सरदी में रात की अपेक्षा दिन छोटे होते हैं।
(घ) अधिक वर्ज़ा होने पर बाढ़ आ जाती है, जिससे फसलें नज़्ट हो जाती हैं।

3. (क) अस्थिर ✓ (ख) बाढ़ ✓ (ग) कड़ाके की गरमी ✓
(घ) हानि ✓

4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✗
(घ) ✓ (ङ) ✓

5. (क) अस्थिर (ख) कज़्ट (ग) पदार्थ
(घ) पश्चिम (ङ) हानियाँ

भाज़ा-बोध–

1. (क) अस्थिर – चंचल (ख) भीज़ण – भयंकर
(ग) बेचैन – परेशान (घ) कज़्ट – तकलीफ़ / परेशानी
(ङ) लू – गरम हवाएँ

2. (क) रातें (ख) छोटे (ग) छाते (घ) कपड़े
(ङ) घटाएँ

3. (क) हवा – पवन, समीर (ख) किसान – कृज़क, अन्नदाता, खेतिहर
(ग) पानी – जल, नीर (घ) ष्टारीर – तन, बदन (ङ) मकान – गृह, घर

करके सीखिए–

सरदी का मौसम	बरसात का मौसम	गरमी का मौसम
ऊनी टोपी	रेनकोट	सुराही
ठंड	छाता	पसीना
शीतलहर	बूँदें	लू
ऊनी कोट	बाढ़	
मफ़लर	बादल	
अलाव		

अध्याय-7

पूँछ का कमाल

अभ्यास: (पेज 40)

1. (क) पूँछ को 'दुम' भी कहते हैं।
(ख) गाया, बंदर, ष्टोर, कुत्ता, चीता आदि।
(ग) लंगूर की पूँछ एक डाल से दूसरी डाल पर जाने में उसकी मदद करती है तथा अपनी पूँछ से वह बंदर की पिटाई भी कर देता है।

लिखिए–

2. (क) बंदर लंगूर से डरते हैं क्योंकि वह अपनी पूँछ से उनकी पिटाई भी कर देता है।
(ख) मछली की पूँछ उसे तैरने में मदद करती है।
(ग) बंदर अपनी पूँछ की मदद से एक डाल से दूसरी डाल पर चले जाते हैं।
(घ) आदमी की पूँछ इसलिए गायब हो गई क्योंकि वह अपनी पूँछ से कोई काम नहीं लेता था।

3. (क) कुत्ते की ✓ (ख) मच्छर-मक्खी उड़ाती है। ✓ (ग) दुम ✓
(घ) पूँछ ✓

4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓
(घ) ✗ (ङ) ✓

भाज़ा-बोध–

1. (क) लंगूर – बंदर लंगूर से डरते हैं।
(ख) अंगूर – मुझे अंगूर बहुत पसंद हैं।
(ग) पूँछ – मछली की पूँछ उसे तैरने में मदद करती है।
(घ) मगरमच्छ – मगरमच्छ बहुत खतरनाक होते हैं।
(ङ) मक्खी – गंदी जगह व कूड़े पर मक्खी मँडराती रहती है।
* बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

2. (क) दिन – रात (ख) खुश – नाखुश (ग) गायब – प्रकट होना
(घ) छोटी – बड़ी (ङ) धीरे-धीरे – जल्दी-जल्दी

3. (क) पिता – पिताजी, जनक, बाप (ख) पुत्र – बेटा, सुत, तनुज
(ग) पुत्री – बेटी, सुता, तनया, तनुजा (घ) गाय – गइया, गौ, गऊ, गौरी

करके सीखिए–

(उदाहरण उत्तर)

* यह प्रश्न बच्चे स्वयं करेंगे क्योंकि वो अपने मन से कोई एक पूँछ वाला जानवर चुन सकते हैं। उदाहरण–

(क) घोड़ा एक चार पैरों वाला पालतू जानवर है।

(ख) इसकी पूँछ लंबी तथा बहुत सुंदर होती है।

(ग) यह अपनी पूँछ से अपने ऊपर बैठने वाले मच्छरों तथा मक्खियों को उड़ाता है।

(घ) यह बहुत तेज़ दौड़ता है।

अध्याय-8

बूझो तो जानें (केवल पठन हेतु)

(क) मोर (ख) पतंग (ग) आसमान (घ) पंखा
(ङ) टेलीफ़ोन (च) बल्ब (छ) साइकिल

अध्याय-9

सरकस

अभ्यास: (पेज 46)

1. (क) ष्टाहर में 'डिज़्नीलैंड' सरकस आया था।
(ख) सरकस रवि के ष्टाहर में लगा था।
(ग) चाबुक देखकर घोड़े दौड़ने लगे।

लिखिए–

2. (क) सरकस एक विशाल तंबू में लगा हुआ था। तंबू को बिजली की रोशनी से सजाया गया था तथा चमकीली झालर तंबू के चारों तरफ़ लगाई गई थी।
(ख) ष्टोरों ने जलते हुए गोले में से छलाँग लगाई।
(ग) रिंग मास्टर की आज्ञा पर ष्टोरों और भेडों ने एक ही बरतन में पानी पिया।
(घ) हाथी ने नाच दिखाया फिर वह स्टूल पर बैठ गया तथा कई करतब भी दिखाने लगा।
(ङ) बंदरों ने साइकिल चलाकर दिखाई फिर वे साइकिल से उतरे तथा उन्होंने सबको सलाम किया।

3. (क) साढ़े छह ✓ (ख) दहाड़ ✓ (ग) घोड़े ✓ (घ) बंदरों ✓
(ङ) हाथी ✓

4. (*i*) उन्हें देखकर रवि और अन्य (च) बच्चे अपनी हँसी न रोक सके।
(*ii*) उन्होंने दर्शकों को सलाम (ङ) किया और चले गए।
(*iii*) उन्होंने अपने करतब एक (क) बड़ी रस्सी पर दिखाए।
(*iv*) सरकस का दूसरा ष्टो (ख) साढ़े छह बजे ष्टुरु हुआ।
(*v*) चाबुक देखकर वे घोड़े (घ) दौड़ने लगते और रूक जाते।
(*vi*) दर्शकों की एक विशाल (ग) भीड़ वहाँ मौजूद थी।

5. (क) आनंद (ख) कलाबाज़ियाँ (ग) साइकिल
(घ) घन्यवाद (ङ) दिसंबर

भाज़ा बोध–

1. (क) रोशनी (ख) रंगीन (ग) विशाल (घ) रस्सी
(ङ) कलाबाज़ियाँ

2. (क) बंदरों (ख) साइकिलें (ग) ष्ट्रोरों (घ) चाबुकों
(ङ) घोड़े

3. (क) प्रसिद्ध – ताजमहल एक प्रसिद्ध इमारत है।
(ख) दर्शक – सरकस देखने के लिए बहुत से दर्शक आए थे।
(ग) तंबू – तंबू के चारों ओर चमकीली झालर लगी थी।
(घ) चाबुक – घोड़े चाबुक की आवाज़ सुनकर भागने लगते थे।
(ङ) करतब – सरकस में सभी जानवरों ने तरह-तरह के करतब दिखाए।
* बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

(उदाहरण उत्तर)

* इस रविवार हमारे ष्ट्राहर में एक मेला लगा था। मेले में बच्चों के लिए सरकस भी रखी गई थी। एक सफ़ेद और लाल रंग के बड़े से तंबू में जानवरों ने अपने करतब दिखाए थे। तंबू के दरवाज़े पर रंगीन बल्ब लगे थे जो कि जल-बुझ रहे थे। ष्ट्रोर, हाथी, जिराफ़ और ज़ेबरा जैसे जानवर देखकर बच्चे बहुत खुश हो रहे थे।

अध्याय-10

झंडा गान

अभ्यास: (पेज 51)

1. (क) प्रस्तुत कविता हमारे तिरंगे से संबंधित है।
(ख) हमारे राज्ट्रीय ध्वज में केसरिया, सफ़ेद और हरा रंग है।
(ग) इस कविता के कवि 'श्यामलाल पार्ज़द' हैं।

लिखिए–

2. (क) कवि कहते हैं कि तिरंगा हमारी विजय का प्रतीक है। यह प्रेम सुधा बरसाता है तथा वीर इसे देखकर बहुत खुश होते हैं। यह हमारे भारत का तन और मन है।
(ख) कवि ने वीरों को देश और धर्म यानी देश भक्ति को धर्म मानकर उस पर मर-मिटने को कहा है।
(ग) झंडे के नीचे सुरक्षित रहने का अर्थ है कि हमारे वीर और स्वतंत्रता सेनानी इस झंडे की ष्ठान के लिए अपनी जान पर खेल जाते हैं ताकि देश तथा देशवासियों पर कोई आँच न आए और वे सुरक्षित रहें।
(घ) हमें प्रण लेना चाहिए कि हम तन, मन और धन तीनों प्रकार से अपने देश की उन्नति में सहायक होंगे।

3. (क) तिरंगा (ख) हरजाने (ग) देश (घ) मातृभूमि

4. (*i*) सुधा (ग) अमृत
(*ii*) संकट (ङ) विपत्ति
(*iii*) निश्चय (घ) इरादा
(*iv*) तन (क) ष्ट्रारीर
(*v*) विश्व (ख) संसार

भाज़ा-बोध–

1. (क) विजयी – पराजित (ख) प्रेम – घृणा / नफरत (ग) निर्भय – भय
(घ) ष्ट्रात्रु – मित्र (ङ) वीर – कायर

2. (क) मातृभूमि – सैनिक मातृभूमि पर मर-मिटते हैं।
(ख) बलि – वीर देश पर बलि-बलि जाते हैं।
(ग) संकट – संकट में कभी न घबराएँ।
(घ) धर्म – हमारे देश में कई धर्म हैं।
(ङ) निर्भय – सैनिक निर्भय होकर जंग पर जाते हैं।
* बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

राज़्ट्रगान जन-गण-मन अधिनायक जय हे

भारत-भाग्य-विधाता
पंजाब सिंध गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तव श्ुभ नामे जागे,
तव श्ुभ आशिज़ माँगे,
गावे तव जय गाथा।
जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता
जय हे, जय हे, जय हे,
जय-जय-जय, जय हे।।

अध्याय-11

साँपों की दुनिया

अभ्यासः (पेज 56)

1. (क) साँप को भयंकर एवं अनोखा जीव कहा जाता है।
   (ख) साँप जल में भी तैर सकते हैं।
   (ग) साँप हमारे मित्र इस प्रकार से हैं क्योंकि ये कीड़े-मकोड़े खाकर वातावरण को साफ़ रखते हैं।

लिखिए–

2. (क) दो मुँह वाले साँपों को 'दोमई' साँप कहते हैं।
   (ख) साँप की त्वचा बड़ी चिकनी, साफ़ व चमकदार होती है।
   (ग) साँप की आँखें खुली हुई इसलिए दिखाई देती हैं क्योंकि इनकी आँखों पर पलकें नहीं होती हैं। सोते समय भी इनकी आँखें खुली दिखाई देती हैं।
   (घ) साँप चूहे, मेढ़क, छिपकली तथा कीड़े-मकोड़े बहुत श्ौक से खाते हैं।
   (ङ) साँप के श्ारीर पर सफ़ेद-सफ़ेद झिल्ली बनती रहती है। उसे 'केंचुली' कहते हैं।

3. (क) पलकें (ख) रेंगकर (ग) चिकनी (घ) दवा

4. (*i*) यह ज़मीन के अंदर (घ) बहुत समय तक रह सकता है।
   (*ii*) ये अपने श्ारीर की (ग) मदद से ही आवाज़ को सुनते हैं।
   (*iii*) साँप की केंचुली दवा (क) बनाने के काम आती है।
   (*iv*) कुछ साँप अपना फ़न (ङ) बहुत ऊँचा उठा लेते हैं।
   (*v*) ये अपने शिकार को (ख) निगल कर खाते हैं।

5. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗
   (ङ) ✓

भाज़ा बोध–

1. (क) बड़ा – छोटा (ख) श्ात्रु – मित्र (ग) हानिकारक – लाभदायक
   (घ) भारी – हल्का (ङ) गंदा – साफ़

2. (क) आँखें (ख) पैरों (ग) वृक्षों
   (घ) घंटे (ङ) जानवरों

3. (क) साँप – साँप की केंचुली दवा बनाने के काम आती है।
(ख) शत्रु – अपने शत्रु को कभी भी अपने से कम नहीं समझना चाहिए।
(ग) चिकनी – साँप की त्वचा बहुत चिकनी होती है।
(घ) छिपकली – हमें छिपकली घरों में दिख जाती है।
(ङ) शौक – कुछ लोगों को चिड़ियाँ पालने का शौक होता है।
* बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

4. (क) साँप – भुजंग, नाग, सर्प, विज़धर
(ख) दुनिया – जग, संसार, विश्व, जगत
(ग) जल – पानी, नीर, अंबु, वारि
(घ) आँख – नयन, नैन, नेत्र, लोचन
(ङ) चड़िया – पक्षी, खग, विहंग, नभचर

करके सीखिए–

* बच्चे स्वयं अपने मन से रेंगने वाले प्राणियों के चित्र बनाएँगे या चिपकाएँगे।

अध्याय-12

पौधे की आत्मकथा

अभ्यास: (पेज 62)

1. (क) एक नन्हा पौधा अपनी आत्मकथा सुना रहा है।
(ख) आम का पौधा घर के पीछे खाली पड़ी ज़मीन पर उग आया था।
(ग) आम की गुठली से अँखुआ (अंकुरण) निकल आया था।

लिखिए–

2. (क) आमों को पूरे परिवार ने मज़े से खाया तथा गुठलियों को पूरे परिवार ने घर के पीछे खाली पड़ी जगह में फेंक दिया।
(ख) गुठली में अंकुरण होने में घर के कचरे, मिट्टी तथा सूर्य के प्रकाश ने मदद की।
(ग) जब बीज मिट्टी में दब गया। तब सूर्य के प्रकाश की मदद से बीज धरती में ही फूट गया और उसके शरीर में अँखुआ निकल आया। पौधा दो पत्तियों के साथ बाहर निकल आया। गरमी, ऊष्मा, पानी, नमी पाकर अंकुरण का विकास शुरु हो गया।
(घ) विकास होने के बाद आम के पौधे पर टहनियाँ, पत्ते, बौर और अम्बियाँ आ गईं तथा बाद में अम्बियाँ मीठे आमों में बदल गईं।
(ङ) आम की लकड़ी हवन-पूजन में तथा चिता बनाने में काम आती है।

3. (क) मुखिया ✓ (ख) मिट्टी में ✓ (ग) ये दोनों ✓
(घ) ऑक्सीजन ✓ (ङ) वृक्षारोपण ✓

4. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗
(घ) ✗ (ङ) ✓

5. (क) परोपकारी (ख) पर्यावरण (ग) पत्तियों
(घ) शुद्ध (ङ) गुठलियाँ

भाज़ा-बोध–

1. (क) टहनियाँ (ख) वस्तुएँ (ग) पौधे
(घ) गुठलियाँ (ङ) पत्तियाँ

2. (क) वृक्ष – पेड़, तरु, विटप (ख) धरती – भूमि, ज़मीन, धरा
(ग) आम – आम्र, सौरभ, अमृतफल (घ) दिन – दिवस, वार, दिवा
(ङ) रात – रात्रि, रजनी, निशा

करके सीखिए–

1. 'पेड़ की आत्मकथा' सुनकर हमें पता लगा कि जिस प्रकार मनुज्य के बच्चे का विकास धीरे-धीरे होता है। ठीक उसी प्रकार एक बीज से पौधा और पौधे से पेड़ बनने में कुछ समय लगता है। हमें धैर्यपूर्वक बीज को पेड़ बनने देना चाहिए। अगर हम पेड़ बनने से पहले ही पौधे को उखाड़ देंगे तो हम ईंधन के लिए लकड़ी, खाने के लिए मीठे फल, दवाइयाँ आदि खो देंगे।

2. 'वृक्षों के लाभ'

पेड़ पर्यावरण का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। इनके बिना मनुज्य व जानवरों का जीवना असंभव है। ये हमें प्राण वायु (ऑक्सीजन) देते हैं। इसके अलावा ये हमें फल, लकड़ी, रबड़, शुद्ध हवा आदि बहुत कुछ प्रदान करते हैं। पेड़ पहाड़ी इलाकों में मिट्टी को पकड़ उसे खिसकने से भी रोकते हैं। पेड़ों को उनके चिकित्सा गुणों के लिए भी उगाया जाता है। ये केवल मनुज्यों को ही नहीं बल्कि पक्षियों को भी सहारा देते हैं। अपने खाने से लेकर रहने तक का इंतजाम पक्षी पेड़ों से करते हैं इसलिए खूब वृक्ष लगाएँ।

* विद्यार्थियों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें।

अध्याय–13

प्रदूज़णः एक विकट समस्या (केवल पठन हेतु)

अध्याय–14

खुशी ही खुशी

अभ्यासः (पेज 71)

1. (क) ढोल का पूरा नाम 'ढोल बाजेकर' था।
   (ख) मेला पड़ोस के एक गाँव में लगा था।
   (ग) ढोल 'कोलावेरी-डी' गीत बजाना चाहता था।

लिखिए–

2. (क) ढोल के पिता ढोल को पढ़ाना चाहते थे।
   (ख) ढोल के पिता ढोल बजाने का काम करते थे।
   (ग) गीत की धुन सुनकर कुछ युवक गाने और नाचने लगे।
   (घ) ढोल ने अपनी माँ के लिए चूड़ियाँ तथा बहन के लिए गुड़िया खरीदी थी।
   (ङ) ढोल इसलिए खुश था क्योंकि वो मेले में अपने पिता के साथ ढोल बजाने जा रहा था।

3. (क) पहला ✓ (ख) बड़े झूले के समीप ✓
   (ग) अपनी ढोलक बजाने लगा ✓ (घ) अपनी माँ के लिए ✓

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓
   (घ) ✗ (ङ) ✓

5. (*i*) वे जिस मौज़ मस्ती से (घ) ढोल बजाते, सभी झूम उठते।
   (*ii*) पड़ोस के एक गाँव में (ङ) मेला लगने वाला था।
   (*iii*) ढोल ने ऐसा मेला (क) पहले कभी नहीं देखा था।
   (*iv*) शीघ्र की मैदान खुशी (ख) से भरी आवाज़ों से गूँज उठा।
   (*v*) तभी उसे अपने बाबा की (ग) आवाज़ सुनाई दी।

भाज़ा-बोध–

1. (क) अप्रसन्न (ख) शुरुआत (ग) दूर
   (घ) झूठ (ङ) रात

2. (क) सफ़ेद – सफ़ेद रंग शांति और अहिंसा का प्रतीक है।
(ख) बच्चों – बच्चों को पार्क में जाना अच्छा लगता है।
(ग) उत्साह – मेले में लोगों का उत्साह देखने लायक था।
(घ) समाप्त – मेला समाप्त होने तक ढोल बहुत थक गया था।
(ङ) पुरुज़ – मेले में बहुत से स्त्री और पुरुज़ आए थे।
* बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

हम मेले में रंग-बिरंगे तंबू, तरह-तरह के झूले, कई स्त्री, पुरुज़ और बच्चे देखते हैं। मेले में हम कई सारी दुकानें जैसे निशानेबाज़ी, मिठाइयों की दुकानें, खिलौनों की दुकानें आदि देखते हैं। मेले में बच्चे, बूढ़े और सभी खुश दिखाई देते हैं। मेले में तरह-तरह की आवाज़ें भी हमें सुनाई देती हैं। मुझे मेले में जाना इसलिए अच्छा लगता है क्योंकि वहाँ मैं तरह-तरह के झूले झूलती हूँ और रंग-बिरंगे गुब्बारे खरीदती हूँ।

अध्याय-15

चाँद का हठ (केवल पठन हेतु)

अध्याय-16

हमारा शरीर

अभ्यास: (पेज 77)

1. (क) जी हाँ, मेरे घर के पास एक पार्क है। मैं वहाँ हर दिन अपने मित्रों के साथ खेलने और व्यायाम करने जाता/जाती हूँ।
(ख) जी हाँ, मैं दौड़ता/दौड़ती हूँ तथा कई योगासन करता/करती हूँ।
(ग) जी हाँ, मैं हरी सब्ज़ियाँ, दालें, अंडा, दूध, मीट इत्यादि खाता/खाती हूँ।

लिखिए–

2. (क) हमारा शरीर मशीन की तरह काम करता है।
(ख) हम आँखों से देखते हैं, कानों से सुनते हैं, नाक से सूँघते और साँस लेते हैं, हाथों से काम करते हैं, जीभ से स्वाद लेते हैं तथा टाँगों से चलते हैं।
(ग) यदि हमारे शरीर का कोई अंग बीमार हो जाता है, तो हमारे शरीर को बहुत तकलीफ़ होती है।
(घ) शरीर को चलाने के लिए हमें पौष्टिक एवं संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है।
(ङ) अधिक मसालेदार तथा तला हुआ भोजन हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

3. (क) जीभ से ✓ (ख) दोनों ✓ (ग) हरी ✓ (घ) हानिकारक ✓

4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

5. (क) व्यायाम – कसरत (ख) हानिकारक – नुकसानदायक (ग) ज़रूरी – आवश्यक
(घ) प्रतिदिन – हर रोज़ (ङ) आहार – भोजन

भाज़ा-बोध–

1. (क) हरी / ताजी = सब्ज़ी (ख) लाल / पका = टमाटर
(ग) गरम / ठंडा / ताज़ा / पौष्टिक = भोजन (घ) स्वस्थ / मोटा / पतला / बीमार = शरीर
(ङ) कठिन / आसान / नया / पुराना = काम
* बच्चे और भी कई विशेज़ण शब्द प्रयोग कर सकते हैं।

2. (क) मित्र – मित्रता (ख) प्रसन्न – प्रसन्नता (ग) आवश्यक – आवश्यकता
(घ) बीमार – बीमारी (ङ) रोगी – रोग

3. (क) शरीर – स्वस्थ शरीर के लिए व्यायाम बहुत आवश्यक हैं।
(ख) स्वाद – हमारी जीभ हमें स्वाद का अनुभव कराती है।
(ग) संतुलित – हमें संतुलित भोजन करना चाहिए।
(घ) पौज़्टिक – पौज़्टिक खाना हमारे शरीर के लिए लाभदायक होता है।
(ङ) व्यायाम – हमें खुली तथा साफ़ जगह पर व्यायाम करना चाहिए।
* बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

1. आलू, करेला, पालक, मेथी, गोभी, तोरी, घीया, टिंडा, कटहल, बैंगन आदि।
2. सेब, केला, आम, अनार, अमरूद, अंगूर, तरबूज, खरबूजा, अनानास, संतरा आदि।
3. (क) सुबह जल्दी उठें तथा रात को समय पर सो जाएँ।
(ख) संतुलित और पौज़्टिक भोजन की खाएँ।
(ग) बाहर का भोजन तथा जंक फूड न खाएँ।
(घ) प्रतिदिन स्नान करें और व्यायाम भी करें।
* बच्चे कुछ अन्य नियम भी लिख सकते हैं।

अध्याय–17

अन्ना हज़ारे

अभ्यास: (पेज 82)

1. (क) अन्ना हज़ारे का जन्म 15 जून, 1937 को महाराज़्ट्र के अहमद नगर में हुआ था।
(ख) अन्ना हज़ारे सन् 1963 में सेना की मराठा रेजीमेंट में ड्राइवर के रूप में भर्ती हुए थे।
(ग) अन्ना जी को सन् 1992 में पद्मभूज़ण से सम्मानित किया गया।

लिखिए–

2. (क) अन्ना जी का पूरा नाम किशन बाबूराव हज़ारे था।
(ख) अन्ना जी की माता का नाम लक्ष्मीबाई हज़ारे तथा पिताजी का बाबूराव हज़ारे था।
(ग) परिवार पर कज़्टों का बोझ देखकर अन्ना जी ने दादर स्टेशन के बाहर फूल बेचने वाले की दुकान पर काम करना शुरू कर दिया।
(घ) अन्ना हज़ारे भ्रज़्टाचार के विरुद्ध कड़ा संघर्ज़ करने के कारण पूरे भारत में प्रसिद्ध हुए थे।
3. (क) 1937 में ✓ (ख) बाबूराव हज़ारे ✓ (ग) किसान ✓
(घ) 1962 में ✓
4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓
(घ) ✗ (ङ) ✓
5. (*i*) मृत्यु – देहांत / मौत (*ii*) युद्ध – लड़ाई (*iii*) सेवा निवृत्ति – छुट्टी
(*iv*)गुज़रा – व्यतीत हुआ (*v*) विरुद्ध – विरोध में

भाज़ा-बोध–

1. (क) समाज + इक = सामाजिक (ख) परिवार + इक = पारिवारिक
(ग) इतिहास + इक = ऐतिहासिक (घ) रसायन + इक = रसायनिक
2. (क) इनका (ख) इनके (ग) उन्हें
(घ) इसके, उन्होंने (ङ) वे
3. (क) प्रसिद्ध – अप्रसिद्ध (ख) गरीब – अमीर (ग) बेचना – खरीदना
(घ) सम्मानित – अपमानित (ङ) बाहर – अंदर

करके सीखिए–

1. राजा राममोहन राय

(क) राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का जनक माना जाता है।

(ख) राजा राममोहन राय ने सती प्रथा को हटाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

(ग) राजा राममोहन राय आधुनिक शिक्षा के समर्थक भी थे।

महात्मा गांधी

(क) महात्मा गांधी हमारे राज़्ट्रपिता हैं। इनका जन्म 2 अक्तूबर को गुजरात में हुआ था।

(ख) गांधी जी ने भारत को आज़ाद कराने के लिए कई आंदोलन किए थे।

(ग) गांधी जी सत्य और अहिंसा में विश्वास रखते थे।

मदर टेरेसा

(क) मदर टेरेसा एक महान महिला थीं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन दूसरों की सेवा करने में लगा दिया।

(ख) मानव जाति की सेवा करने के लिए उन्हें सितंबर 2016 में संत की उपाधि दी गई थी।

(ग) उन्हें 1979 में उनके कार्यों के कारण नोबेल ष्टाांति पुरस्कार मिला था।

2. उदाहरण लेख

अन्ना हज़ारे जी का जन्म महाराज़्ट्र के एक किसान परिवार में हुआ था। सन् 1963 में वे सेना की मराठा रेज़ीमेंट में ड्राइवर के रूप में भर्ती हुए थे। वे समाज सेवा करना चाहते थे इसलिए 1991 में उन्होंने भ्रज़्टाचार विरोधी जन आंदोलन ष्टाुरू किया। उन्हें आधुनिक भारत के गांधी के रूप में देखा जाता है। उन्होंने भी भ्रज़्टाचार के विरुद्ध जंतर-मंतर पर भी श्री अरविंद केजरीवाल के साथ भूख हड़ताल पर बैठे थे। उनके अथक प्रयास के कारण ही लोकपाल बिल संसद में प्रस्तुत किया गया। वे आज भी गांधी जी की तरह अहिंसा में विश्वास रखते हैं।

अध्याय–18

नन्ही बूँदें

अभ्यासः (पेज 87)

1. (क) बूँदें आसमान से आती हैं।

(ख) बूँदों का जल मीठा और ष्टाीतल होता है।

(ग) बूँदें बादल रूपी पंखों पर बैठकर आती हैं।

या

बूँदें बादलों पर बैठकर आती हैं।

लिखिए–

2. (क) बूँदें नन्ही हैं तथा ष्टाीतल और मीठे जल से भरी हुई हैं।

(ख) बूँदें फूलों का मुँह धो देती हैं, पेड़ों को हरियाली देती हैं, सागर को भर देती हैं तथा सभी जीवों को जीवन देती हैं।

(ग) बूँदें बरसने पर सभी जीवों को जीवन मिल जाता है और सागर भी भर जाते हैं, इनके कारण धरती खुशियों से भर जाती है।

(घ) बादल काले हैं।

3. (क) फूलों का ✓ (ख) बूँदों से ✓ (ग) बादलों में ✓

4. (क) छोटी हैं पर <u>काम बड़े हैं</u>
<u>बूँद-बूँद से</u> सागर भरतीं
बढ़ जाता है <u>जिसको छूतीं</u>
<u>खुशियों से भर</u> जाती धरती।

5. (क) शीतल – ठंडा (ख) धरती – पृथ्वी / धरा (ग) आसमान – आकाश

(घ) प्राणी – जीव-जंतु (ङ) सागर – समुद्र

भाज़ा बोध–

1. (क) आकाश – नभ, आसमान, गगन (ख) समुद्र – सागर, जलधि
   (ग) कुसुम – पुज्प, फूल, सुमन (घ) पृथ्वी – धरा, धरती, ज़मीन
   (ङ) बादल – मेघ, घन, जलधर
2. (क) छोटी – बड़ी (ख) धरती – गगन (ग) आसमान – ज़मीन
   (घ) मीठा – खट्टा / कड़वा (ङ) ष्टीतल – उज़्ण / गरम
3. (क) बादल – आसमान में काले बादल छाए हैं।
   (ख) बूँद – बूँद-बूँद से सागर भर जाता है।
   (ग) पंख – पक्षी पंख फैलाकर उड़ रहे हैं।
   (घ) फूल – बगीचे में तरह-तरह के फूल खिले हैं।
   (ङ) जीवन – जल ही जीवन है।
   * बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

1. वर्ज़ा होने पर मुझे बहुत अच्छा लगता है। चारों ओर मिट्टी की सुगंध फैल जाती है तथा हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। बच्चे वर्ज़ा के पानी में कागज़ की नाव चलाते हैं तथा पक्षी भी खूब चहचहाते हैं। चारों ओर खुशी ही खुशी छा जाती है।

2. यह उत्तर बच्चे स्वयं वर्ज़ा से संबंधित कोई कविता याद करके उसे अपनी पुस्तक में साफ़ लिखावट में लिखकर करेंगे।

   या

   (उदाहरण कविता)

   जब काले बादल आते हैं,
   खूब पानी बरसाते हैं।
   मोर नाच दिखाते हैं,
   मेंढक खूब टर्राते हैं।
   छाते सबके खुल जाते हैं,
   बच्चे नाव तैराते हैं।
   सरदी, गरमी या बरसात,
   हमें सारे मौसम भाते हैं।

अध्याय-19

कुछ काम करो

अभ्यासः (पेज 91)

1. (क) प्रस्तुत कविता में कवि मनुज़्य को काम करते रहने के लिए कह रहे हैं।
   (ख) कवि अपने कर्मों से इस जग में अपना नाम करने की आशा रखता है।
   (ग) इस कविता के रचयिता 'मैथिलीशरण गुप्त' हैं।

लिखिए–

2. (क) हमारा जन्म खाली बैठने या बेकार बैठने के लिए नहीं हुआ है इसलिए जितना हो सके उतना काम हमें जीवन में करते रहना चाहिए।
   (ख) भगवान ने हमें कर (हाथ) काम करने के लिए तथा जो वस्तुएँ हमारे आसपास हैं, उनका उचित प्रकार से प्रयोग करने के लिए दिए हैं।
   (ग) हम अपनी मनचाही वस्तु काम करके तथा चीज़ों का सदुपयोग करके प्राप्त कर सकते हैं।

3. प्रभु ने तुमको कर दान किए,
सब वांछित वस्तु विधान किए।
तुम प्राप्त करो उनको न अहो,
फिर है किसका यह दोज़ कहो।

4. (क) उपयुक्त – उचित (ख) अलभ्य – दुर्लभ (ग) जग – संसार
(घ) कर – हाथ (ङ) विधान – नियम

भाज़ा बोध–

1. (क) व्यर्थ (ख) निराश (ग) वांछित
(घ) उपयुक्त (ङ) दोज़

2. (क) जग – संसार, दुनिया (ख) अर्थ – आशय, मतलब
(ग) कर – हाथ, हस्त

करके सीखिए–

उदाहरण उत्तर

मैं बड़े होकर डॉक्टर बनना चाहता / चाहती हूँ। इसके लिए मैं खूब मन लगाकर पढ़ाई करूँगा / करूँगी। मैं अपने परिवार के लोगों की भी इसमें सहायता लूँगा / लूँगी। डॉक्टर बनने के लिए विज्ञान विज़य का ज्ञान बहुत ज़रूरी है। इसलिए मैं विज्ञान को अच्छे से समझूँगा / समझूँगी तथा अपनी अध्यापिकाओं की कही बात को बहुत ध्यान से सुनुँगा / सुनुँगी।

डॉक्टर बनकर मैं सबकी मदद करना चाहता / चाहती हूँ। मैं गरीब बीमार लोगों का इलाज बिना फीस के भी करूँगा / करूँगी।

* बच्चों का लक्ष्य तथा विचार भिन्न हो सकते हैं।

अध्याय-20

गंदे हाथ का बुरा सपना
(केवल पठन हेतु)

अध्याय-21

पहिये का आविज़्कार
(केवल पठन हेतु)

शरारती चूहा

अपठित गद्यांश

अभ्यासः (पेज 96)

1. चूहा लोगों के घरों में जाकर उधम मचाता था। उनका अनाज खा जाता था तथा उनके कपड़े भी कुतर जाता था।
2. चूहे ने गरम तेल के बरतन में अपना मुँह डाल दिया था इसलिए उसका मुँह बुरी तरह जल गया था।
3. चूहा दुम दबाकर भागा क्योंकि मुँह जल जाने के बाद उसके मन में डर बैठ गया था इसलिए वह वहाँ से भाग गया।

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com